

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय संगोष्ठी : महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण – चुनौतियाँ और संभावनाएं
आयोजक – आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत एवं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग
दिनांक 11 एवं 12 मार्च 2026
स्थान – सभागार, श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, दुर्ग, छत्तीसगढ़

11-12 मार्च 2026। आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत एवं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित “Women Economic Empowerment: Challenges and Opportunities” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ।



सम्मेलन में महिला स्वास्थ्य, पोषण, जेंडर समानता तथा आर्थिक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्वानों द्वारा सार्थक विचार-विमर्श किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, भिलाई में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, छत्तीसगढ़ राज्य गीत “अरपा पैरी के धार” तथा विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया



गया। उद्घाटन सत्र में प्रो. आर. के. शुक्ला, निदेशक, आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन ने शिक्षा और समान अवसरों को सामाजिक परिवर्तन का आधार बताया। मुख्य वक्ता डॉ. आशा शुक्ला ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक सोच में परिवर्तन से संभव है। श्रीमती अलका बाघमार, महापौर दुर्ग तथा डॉ. सुनीता पाठक ने भी अपने उद्बोधन में महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. कुसुम त्रिपाठी ने भारतीय समाज में महिलाओं की बहुआयामी भूमिका पर विचार व्यक्त किए। कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा— “Empowered Women are the foundation of an Empowered Nation.” उन्होंने महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए लघु उद्योग, कृषि आधारित गतिविधियों तथा स्व-रोजगार को बढ़ावा देने पर बल दिया। तकनीकी सत्रों में डॉ. शोभा शिंदे, डॉ. रत्ना मुले, डॉ. वीणा सिन्हा तथा डॉ. सबीहा हुसैन ने महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, जेंडर बजटिंग तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। द्वितीय दिवस के सत्र में श्री बलदाऊ राम साहू, डॉ. भारती शुक्ला, डॉ. विनय शर्मा एवं डॉ. रीता वेणु गोपाल ने महिला अधिकार, समान अवसर एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में श्री सत्य नारायण राठौर, आयुक्त, दुर्ग संभाग ने महिला शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि समाज की प्रगति महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही संभव है। प्रख्यात समाजसेवी श्रीमती फूलबसन यादव ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता को सशक्त समाज की आधारशिला बताया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता डॉ. सबीहा हुसैन ने महिला सशक्तिकरण में सामाजिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं डॉ. आशा शुक्ला एवं प्रो. आर. के. शुक्ला ने शिक्षा को महिलाओं के समग्र विकास का प्रमुख माध्यम बताया। समापन सत्र में सम्मेलन की दो दिवसीय गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डी. एस. डब्ल्यू., हेमचंद यादव विश्वविद्यालय एवं सम्मेलन संयोजक द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता मिश्रा ने किया तथा अंत में डॉ. भूपेन्द्र कुलदीप, कुलसचिव ने आभार प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

